निकारागुआ की कविताएं

ISSN 2394-1723
मूल्य : 40 रुपए

वागर्थ

वर्ष 32 अंक 367 जून–2026

अस्मिता विमर्श और आज का यथार्थ

हरीश त्रिवेदी अजय तिवारी अरविंद मोहन
सविता सिंह राहुल सिंह
प्रस्तुति : रूपेश यादव

कहानियाँ

कमलेश अभय कुमार
रजनी शर्मा बस्तरिया सुधा जुगरान
जनार्दन करणीदान बारहठ (राजस्थानी)

भारतीय भाषा परिषद

आंडाल

(8वीं सदी)

वैष्णव परंपरा से जुड़ी तमिल की प्रसिद्ध आलवार भक्त कवयित्री। आंडाल ऐसी कल्पनाएं रचती हैं जो भक्ति साहित्य में बेजोड़ है। स्त्री रचनाकार के रूप में महत योगदान। 'तिरुप्पवर्', 'नचियार तिरुमोलि' आदि प्रसिद्ध रचनाएँ। दक्षिण भारत में इनका विशिष्ट आदर है।

1.
मेघ! तुम तो उदधि से जल ले बरसते वेंकटम पर
इस धरा को महाबलि से मुक्त जिसने किया
चुराया उसने सकल सुख-चैन मेरा घुस हृदय में
निगल मुझको लिया
जैसे कीट वन के चाट जाते फल
वेंकटम जाकर बरस घनघोर, प्रभु को बता दे
यह भयानक दुर्दशा मेरी।

2.
मेघ! बारिश के लिए तैयार
युद्ध कौशल में खरे प्रभु वेंकटम के गीत गाती
सूख कर नीचे गिरे उन आक पत्तों की तरह
मैं हो गई बर्बाद
सांत्वना के शब्द भी कहते नहीं प्रिय
प्रतीक्षा है सिर्फ़ उस पल की मुझे
जब उनकी तरफ से प्रेम का संदेश आएगा।

3.
प्रेम माधव का मुझे जो मिला है, तुम नहीं समझोगे
मैं उन्हें जितना समझती, तुम न समझोगे
सुन न सकती आपकी बातें
निरर्थक संवाद गूँगे और बहरे की तरह

जनम जिसने दिया, उसको छोड़ कर
वे दूसरी के घर पले
मल्ल वीरों के समर में पहुँच कर
पहले बने जो वीर उत्तम
मैं उन्हीं से प्रेम में हूँ
अगर तुम मुझको बचाना चाहते हो
ले चलो मथुरापुरी मुझको।

4.
श्याम कन्नन की झलक मिल जाए
मेरी भूख है यह, प्यास भी है
मत करो उपहास मेरा, मत मुझे उपदेश दो तुम
घाव पर छिड़के नमक-से शब्द तेरे चुभ रहे हैं

मदद करना अगर मेरी चाहते हो
दर्द स्त्री का नहीं जो समझता प्रिय कृष्ण
उसका वस्त्र पीला उठा लाओ, झलो मुझ पर
हृदय की ज्वाला करो कम।

5.
यह पिघलता है न रोने से, न गाने से
न अपना रूप दिखलाता
न कहता, 'तुम डरो मत'
न चुंबन ही मुझे देता, न बाँहों में कभी कसता

सघन वन में घूमता गाएं चराता
बाँसुरी मधुरिम बजाता
बाँसुरी के अधर से प्रिय का मुखामृत ला
छिड़क मुख पर, प्रबल विरहाग्नि मेरी दे बुझा।

भावानुवाद : **सुभाष राय**

('आत्मसंभवा आंडाल' से साभार)

श्रीविल्लिपुतर
आंडाल मंदिर

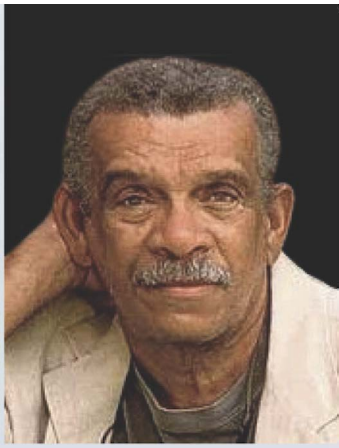

डेरेक वालकॉट

(1930–2017)

1992 में साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित। अंग्रेजी के कैरेबियन कवि और नाटककार। उनमें अपनी जड़ों को पहचानने की छटपटाहट रही है। दो दशकों तक अमेरिका के बोस्टन विश्वविद्यालय में साहित्य के प्रोफेसर। उनकी महाकाव्यात्मक कविता 'ओमेरोस' (1990) उनकी प्रमुख उपलब्धि है।

हम क्यों गाते हैं

एक दिन वह समय भी आएगा
जब उल्लसित होकर
तुम खुद अपना स्वागत करोगे
पहुंचकर अपने ही द्वार पर
अपने ही आईने में खुद को देखते हुए
इस स्वागत पर आह्लादित होओगे
और कहोगे आओ बैठो
कुछ खाओ

तुम एक बार पुन: प्रेम करोगे उस अजनबी से
जो खुद तुम हो अपने भीतर
उसे पेय दो
रोटी दो उसे
एक बार फिर अपना सर्वस्व दे दो
उस अजनबी को
जो तुमसे प्रेम करता रहा है
पर जिसकी तुमने आजीवन उपेक्षा की
किसी और के लिए
जो तुम्हें सचमुच पहचानता है

किताबों की दराजों से प्रेमपत्रों को निकाल फेंको
तस्वीरों को भी और हताशा से भरी सारी चीजों को
आईने से खुद अपनी छवि भी हटा दो
फिर इत्मीनान से
जीवन तछककर जियो!

गर्मियों के दिन

धूप में चमकते चौड़े पत्थरों वाले हैं
सागर तट
है गर्मी चमचमाती हुई
है हरी नदी भी एक
हैं झुलसे हुए ताड़ के पीले पेड़
और है एक पुल
गर्मी में सो रहे घरों से
अगस्त के उनींदे घरों तक
दिन जो हैं मेरे पास
दिन हैं जो मैं खो चुका हूँ
और दिन चढ़ रहा है
जैसे बेटियां जवान होती हैं
और मेरी बांहों की छतरी से निकल
आगे बढ़ जाती हैं।

अनुवाद : **शशि बांयवाला**

ISSN : 2394-1723

वागर्थ

भारतीय भाषा परिषद की मासिक पत्रिका

वर्ष 32, अंक 367, जून 2026

संपादक
शंभुनाथ

प्रबंध संपादक
प्रदीप चोपड़ा

प्रकाशक
डॉ. कुसुम खेमानी

संपादन सहयोग
अंक सज्जा
सुशील कान्ति

ऑनलाइन मल्टीमीडिया संपादक
उपमा ऋचा
upmamcreat@gmail.com

संपादकीय विभाग
36 ए, शेक्सपियर सरणी
कोलकाता–700017
vagarth.hindi@gmail.com
7449503734
(दिन 12 बजे से संध्या 6 बजे)

आवरण
तारक नाथ राय

इस अंक में

पहचान का खेल : **संपादकीय** 5

कहानियां

रिपोर्टर : **कमलेश** 12
टुकी मिसिर : **अभय कुमार** 20
सिरकटिया राजा का घर : **रजनी शर्मा बस्तरिया** 27
रोशनी का भ्रम : **सुधा जुगरान** 35
उदास नींद के सपने : **जनार्दन** 43
लालटेन (राजस्थानी कहानी) : **करणीदान बारहठ**
(अनुवाद : **सत्यनारायण सोनी**) 47

कविताएं

बोधिसत्व/हेमंत कुकरेती/आनंद गुप्ता/पवन शर्मा
राजकुमार कुंभज/भवानंद सिंह/जितेंद्र जलज/राहुल राजेश
चंद्रशेखर साकल्ले/अखिलेश श्रीवास्वत चमन/धीरेंद्र कुमार
पटेल/भावना/हबीब कैफी 51
मराठी कविताएं : **संतोष दौंडे** (अनुवाद : **सविता कोल्हे**) 70

परिचर्चा

अस्मिता विमर्श और आज का यथार्थ : **हरीश त्रिवेदी**
अजय तिवारी/अरविंद मोहन/सविता सिंह/राहुल सिंह
(प्रस्तुति : **रूपेश कुमार यादव**) 72

विश्वदृष्टि

रात में चूहे भी सोते हैं (जर्मन कहानी) : **वोल्फगांग बोर्शर्ट**
(अनुवाद : **शिप्रा चतुर्वेदी**) 92
निकारागुआ की कविताएं : **अर्नेस्टो कार्डिनल**
(अनुवाद : **मणि मोहन**) 95

समीक्षा संवाद

गद्य के तीन आयाम : **आदित्य विक्रम सिंह**
(राधावल्लभ त्रिपाठी, पीयूष मिश्रा और राहुल सिंह की पुस्तकें) 97

श्रद्धांजलि 110

सोशल मीडिया 111

विविध

पाठक संसद/किताबें/सांस्कृतिक गतिविधियां 113

लघुकथा

बिस्कुट : **सुरेश शॉ** 42

बतरस

ताहार माझे आछे ऐक देश शोकोल देशेर शेरा : कोलकाता : **कुसुम खेमानी** 119

देश-देशांतर

आंडाल/डेरेक वॉलकॉट (कैरेबियन)

कवर चित्र साभार **सेरेनडिपिटी कॉर्नर**
कविताओं में रेखांकन :
अशोक अंजुम

वागर्थ **सदस्यता और बिक्री संपर्क**

एक प्रति : 40/-
सामान्य वार्षिक सदस्यता (डाक व्यय सहित) : 450 रुपये
वार्षिक सदस्यता (रजिस्टर्ड डाक) 450+510 = 960 रुपये
त्रैवार्षिक सदस्यता : 1350 रु.। रजिस्टर्ड डाक से = 2880/-
आजीवन : 10,000 रुपये/**(साधारण डाक)** विदेश : **वार्षिक** : 80 डॉलर
भारतीय भाषा परिषद के नाम से चेक या ड्राफ्ट भेजें

एजेंसियों और सदस्यों द्वारा चेक से भुगतान Bharatiya Bhasha Parishad के नाम या Neft द्वारा : Kotak Mahindra Bank, Branch : Loudon Street, A/c no. 8111974982, IFSC Code KKBK0006590 पर भुगतान करें।
भुगतान के बाद एस एम एस या व्हट्सअप कर दें 8910269814 : **मीनाक्षी दत्ता**
जानकारी : कार्यालय के दिन दोपहर 12 बजे से संध्या 6 बजे तक
समय पर भुगतान करने वाली एजेंसियों को ही हम भविष्य में पत्रिका भेज पाते हैं।

● प्रकाशित रचनाओं से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

© सर्वाधिकार सुरक्षित

● वागर्थ से संबंधित सभी विवाद कोलकाता न्यायालय के अधीन होगा।
● वेबसाइट : **www.bharatiyabhashaparishad.org**

वागर्थ प्रबंध प्रभार **: मीनाक्षी दत्ता**
वितरण तथा अन्य कार्य **: अशोक बारीक, बैद्यनाथ कामती, खेत्राबासी बारीक, संतोष सिंह, प्रदीप नायक, प्रेम नायक**

आप क्यू आर कोड स्कैन करके भी **भारतीय भाषा परिषद** के नाम भुगतान कर सकते हैं। भुगतान करने के बाद मोबाइल नंबर सहित संपूर्ण विवरण भेज दें।